Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 24अगस्त, 2022

अंतर्राष्ट्रीय खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी ओलंपियाड

भारत ने **खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी (IOAA)** पर आयोजित **15वें अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड** की पदक तालिका में **तीसरा स्थान** हासिल किया है। प्रतिभागियों के **तीन स्वर्ण** और **दो रजत पदक** जीतने के साथ **भारत सिंगापुर के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर** रहा। खगोल विज्ञान और खगोल भौतिकी (IOAA) पर **15वाँ अंतर्राष्ट्रीय ओलंपियाड 14 से 21 अगस्त, 2022 तक जॉर्जिया के कुटैसी में आयोजित** किया गया। भारत का व्यक्तिगत प्रदर्शन कुछ इस प्रकार रहा: **राघव गोयल, मो. साहिल अख्तर तथा मेहुल बोराद ने स्वर्ण जबकि मिलय केडिया तथा अथर्व नीलेश महाजन ने रजत पदक जीता।आईओएए, 2022 में 37 मुख्य और 6 अतिथि टीमों के 209 प्रतिभागी शामिल हुए। इसके अलावा, 6 देशों के 24 छात्रों ने ऑनलाइन हिस्सा लिया।** इस वर्ष की प्रतियोगिता पहले यूक्रेन के कीव में आयोजित होने वाली थी, लेकिन यूक्रेन में युद्ध के कारण मार्च 2022 में इसे जॉर्जिया के कुटैसी में स्थानांतरित कर दिया गया। पदक तालिका में ईरान प्रथम स्थान पर है। ईरान की आधिकारिक टीम को 5 स्वर्ण तथा अतिथि टीम को 4 स्वर्ण और 1 रजत पदक मिले । इसके बाद सिंगापुर के साथ भारत संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहा। इस IOAA में कुल मिलाकर 28 स्वर्ण, 38 रजत और 55 कांस्य पदक प्रदान किये गए। राघव गोयल ने सबसे चुनौतीपूर्ण सैद्धांतिक प्रश्न के सर्वश्रेष्ठ समाधान के लिये विशेष पुरस्कार जीता।

अन्ना मणि

गूगल ने भारतीय भौतिक और मौसम वैज्ञानिक अन्ना मणि की **104वीं जयंती के अवसर पर उनके नाम के** समर्पित **डूडल का प्रदर्शन** किया है। अन्ना मणि जिन्हें **"भारत की मौसम महिला (Weather Woman Of India)"** के रूप में भी जाना जाता है मौसम संबंधी उपकरणों में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, साथ ही **सौर विकिरण, वायुमंडलीय ओज़ोन और पवन ऊर्जा माप पर शोधपत्र** प्रकाशित किये। अन्ना मोदयिल मणि का जन्म वर्ष 1918 में केरल के पीरमेड/पीरमदे में हुआ था। उन्होंने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में**सी.वी. रमन के साथ अपने वैज्ञानिक कॅरियर की शुरुआत की**, जहाँ उन्होंने **हीरों के प्रतिदीप्ति और अवशोषण प्रतिरूप तथा स्पेक्ट्रम का अध्ययन किया।** वह वर्ष 1945 में इंपीरियल कॉलेज, लंदन और बाद में ब्रिटिश मौसम विज्ञान कार्यालय गईं, जहाँ उन्होंने मौसम संबंधी उपकरणों के विकास का अध्ययन किया। उन्होंने इंग्लैंड और स्कॉटलैंड में कई मौसम संबंधी उपकरणों के निर्माताओं एवं क्षेत्रीय वेधशालाओं का दौरा किया। बाद में **भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD)** में कार्य प्रारंभ किया। वह **अंतर्राष्ट्रीय ओज़ोन संघ, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी, अमेरिकी मौसम विज्ञान सोसायटी, अंतर्राष्ट्रीय सौर ऊर्जा सोसायटी, विश्व मौसम विज्ञान संगठन** सहित कई संगठनों की सदस्य थीं। वह वर्ष 1976 में **IMD** के **उप महानिदेशक** के रूप में सेवानिवृत्त हुईं। उनका वर्ष 2001 में निधन हो गया।

'पराग्वे में नवनिर्मित भारतीय दूतावास '

भारतीय विदेश मंत्री ने **23 अगस्त, 2022** को **पराग्वे** की सरकारी यात्रा के दौरान राजधानी **असुन्सियोन** में **नवनिर्मित भारतीय दूतावास भवन का उद्घाटन** किया। इस अवसर पर विदेश मंत्री ने कहा कि यह **भारत और पराग्वे के बीच सुदृढ आपसी संबंधों तथा लंबे समय से जारी बहुपक्षीय सहयोग** का प्रतीक है। इससे पहले, विदेश मंत्री ने **असुन्सियोन** में **महात्मा गांधी की अर्ध प्रतिमा का अनावरण** किया। उन्होंने पराग्वे के निर्माण में योगदान करने वाले **राष्ट्रीय नायकों और राष्ट्र के लिये बलिदान करने वाले शहीदों को श्रद्धासुमन** अर्पित किये। इस दौरान विदेश मंत्री ने **पराग्वे के राष्ट्रपति मारियो अब्दो बेनिटेज़** से मुलाकात की। दोनों देशों ने **व्यापार, वाणिज्य, कृषि, फार्मास्युटिकल, परंपरागत औषधियाँ और सौर ऊर्जा** सहित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग बढाने पर सहमति व्यक्त की है। भारत और पराग्वे ने हाल ही में**राजनयिक संबंधों** की स्थापना की **60वीं वर्षगाँठ** मनाई है। पराग्वे **दक्षिण अमेरिका** के **दक्षिण-मध्य** में स्थित एक **स्थल अवरुद्ध/लैंडलॉक** देश है। यहाँ बहने वाली नदियाँ**अटलांटिक महासागर** में गिरती हैं, जो **पनबिजली संयंत्रों के प्रमुख केंद्रों** के रूप में कार्य करती हैं इसी कारण पराग्वे को **जलविद्युत के मामले में विश्व के सबसे बड़े निर्यातक देशों** में शामिल किया जाता है। पराग्वे, **मर्कोसुर (MERCOSUR)** का सदस्य है। **दक्षिणी साझा बाज़ार** जिसे **स्पेनिश में मर्कोसुर** कहा जाता है **क्षेत्रीय एकीकरण की एक प्रक्रिया** है। इसे **अर्जेंटीना, ब्राज़ील, पराग्वे और उरुग्वे** देशों द्वारा शुरू किया गया था तथा बाद में **वेनेजुएला** और **बोलिविया** भी इस प्रक्रिया में शामिल हो गए। **भारत** द्वारा मर्कोसुर से सुविधा प्राप्त करने के लिये **व्यापार समझौता** किया गया है।